तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, रविवार 7 जून 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 बड़े डोंगर जनसमस्या निवारण शिविर में 27 ग्रामीणों ....

11 जिन हाथों में कभी बंदूकें थीं, अब वो बनाएंगे दूसरों के ....

खबर संक्षेप

साहू संघ का प्रदेश स्तरीय वृक्षारोपण अभियान आज

जगदलपुर। साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू के नेतृत्व में 7 जून को प्रदेशभर में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत

समाज की सभी इकाइयों, परिक्षेत्रों, जिला समाजों, प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों तथा प्रत्येक परिवार से कम से कम एक पौधा लगाने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण असंतुलन और बढ़ता जल संकट मानव जीवन के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभरा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। वृक्षारोपण से संबंधित फोटो एवं वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करने की अपील की है, ताकि पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा की जा सके और अधिक लोग इस अभियान से जुड़ें। यह जानकारी आईटी सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी महामंत्री मनीष साहू ने दी।

अविनाश बने रेडक्रॉस ब्लड बैंक उपसमिति के अध्यक्ष

जगदलपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की ब्लड बैंक उपसमिति का दायित्व समाजसेवी अविनाश सिंह गौतम को दिया गया है। सचिव व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक ने अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्हें ब्लड बैंक उपसमिति की गतिविधियों को सक्रिय और गतिशील करने का दायित्व दिया गया है।

जनप्रतिनिधियों ने झाड़ू उठाकर दिया संदेश

गीदम। जनपद कार्यालय प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की उपस्थिति में जनप्रतिनिधियों ने खुद झाड़ू उठाकर श्रमदान किया। इस दौरान जनपद पंचायत सीईओ व अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं है, यह जनभागीदारी का विषय है। जब जनप्रतिनिधि खुद सफाई में जुटेंगे तो आम नागरिकों में भी जागरूकता आएगी। उन्होंने सभी को अपने घर, मोहल्ले और कार्यालय को साफ रखने की अपील की। उपाध्यक्ष दिनेश कौशल ने कहा कि गीदम को साफ और स्वस्थ बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के दौरान कार्यालय परिसर के पार्किंग क्षेत्र, प्रवेश द्वार और आसपास की सड़कों की सफाई की गई।

पाथरी में दम तोड़ रही नल जल योजना

करपावण्ड। बकावंड विकासखंड के दुरस्थ गांव पाथरी की यह तस्वीर है। जहां घर घर में 24 घंटे 7 दिन शुद्ध पानी देने का नारा खोखला साबित हो रहा है। हरिभूमि ने पाथरी गांव पहुंचकर नल जल योजना का हाल जाना। जहां गांव के घर घर में चबूतरा बनाकर नल लगा दिया गया है। लेकिन ग्रामीणों को पानी नसीब नहीं हो रहा है। एक तरह से नल जल योजना का यह पहल मात्र शो पीस बन गया है। पूर्व सरपंच मंगलुराम कश्यप के घर के सामने

समय सीमा पर निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करें: साव

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

उप मुख्यमंत्री ने शहर में विकास कार्यों का किया निरीक्षण

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शनिवार को शहर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पावर हाउस चौक स्थित फिल्टर प्लांट तथा महारानी वार्ड में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित नयामुंडा फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी लेते हुए नागरिकों को बेहतर एवं निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने पीजी कॉलेज धरमपुरा में लगभग 11 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से निमार्णाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को जल्द से जल्द आधुनिक अध्ययन सुविधाओं का लाभ मिल सके।

उप मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी वार्ड में लगभग 79 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे पण्डरीतरई तालाब सौंदर्यीकरण कार्य तथा करीब 3 करोड़ 71 लाख रुपये की लागत से संचालित गंगामुड़ा तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तालाबों के सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम में शामिल रहे

इस दौरान सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पांडेय, वार्ड के पार्षदगण, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, एसडीएम ऋषिकेश तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री को विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया।

इंसास रायफल व विभिन्न हथियारों के जिंदा कारतूस, वायरलेस सेल बरामद

सुकमा के कुम्माडोंग जंगल में नक्सलियों के डंप हथियार और विस्फोटक बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

सुकमा जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र स्थित कुम्माडोंग के जंगल से सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद किया है। यह कार्रवाई आत्मसमर्पित नक्सलियों की सूचना पर की गई। धुर नक्सल प्रभावित जिले में शुमार रहे सुकमा के जंगलों से सुरक्षाबलों द्वारा पूर्व में नक्सल संगठन द्वारा

- आत्मसमर्पित नक्सलियों की सूचना पर चलाया गया सर्चिंग अभियान

डंप किए गए हथियार व विस्फोटकों की लगातार बरामदगी की जा रही है। आत्मसमर्पित नक्सलियों की सूचना पर लगातार सर्चिंग एवं एरिया डॉमिनेशन अभियान संचालित किए जा रहे हैं। सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे अभियान और आत्मसमर्पित नक्सलियों के सहयोग से न केवल क्षेत्र में शांति स्थापित हो रही है बल्कि पूर्व से नक्सलियों द्वारा जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की जा रही है। जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र के कुम्माडोंग जंगल-पहाड़ी इलाके से नक्सलियों द्वारा पूर्व में डम्प कर छिपाकर रखे गए हथियार गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद की गई है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण के मुताबिक यह सफलता उन पूर्व नक्सलियों से मिली महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर मिली है जिन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा को अपनाया है। आत्मसमर्पण के बाद समाज और शासन के प्रति सकारात्मक भूमिका निभा रहे इन लोगों ने सुरक्षा बलों को जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियारों की जानकारी दी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस बल ने विशेष सर्च अभियान चलाया और हथियार, कारतूस सहित कई नक्सली डंप बरामद किया गया। सर्चिंग अभियान के दौरान पूरे इलाके को सुरक्षित करते हुए नक्सलियों द्वारा डंप हथियारों की बरामदगी की गई।

डंप हथियारों में यह शामिल

सुरक्षाबलों द्वारा कुम्माडोंग जंगल से नक्सलियों द्वारा डंप किया गया सामान बरामद गिया गया। डंप हथियारों में इंसास रायफल के अलावा इंसास रायफल के 49 कारतूस, एसएलआर रायफल के 12 कारतूस, 303 रायफल के 27 कारतूस, 8 एमएम पिस्टल के 16 राउण्ड, मस्केट के 7 कारतूस, 12 बोर बदूंक के 7 कारतूस के अलावा कॉर्डेक्स वायर, इंसास मैग्जीन, वायरलेस सेल, पोच व स्टील डब्बा बरामद किया गया है। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस सुकमा द्वारा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा।

चोरी की दो मोटरसायकिल जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

जिले में अपराधों की रोकथाम एवं असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने एसडीओपी बारसूर गोविंद दीवान के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी गीदम अमित बेरिया के नेतृत्व में मोटर सायकल चोरी के प्रकरण में सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई दो मोटर सायकल बरामद की हैं। 2 जून को प्रार्थी ने थाना गीदम में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी मोटर सायकल क्रमांक सीजी 05 आर 0568 तथा उसके गैरेज में मरम्मत हेतु आई मोटर सायकल क्रमांक सीजी 18 ईएन 1935 जो हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर जावंगा के पास खड़ी थीं उसे अज्ञात व्यक्तियों

ने चोरी कर ली। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मुखबिर से प्राप्त सूचना, तकनीकी साक्ष्यों तथा अन्य संकलित तथ्यों के आधार पर संदेहियों की पहचान कर उनसे पूछताछ की गई। इस दौरान आरोपी राम मरावी 27 वर्ष निवासी तोड़ापारा ईरपानार कोंडागांव एवं राम रवानी 19 वर्ष निवासी जावंगा दंतेवाड़ा ने एक ⏭शेष पेज 10 पर

इनकी रही अहम भूमिका

इस कार्यवाही में उप निरीक्षक शशिकांत यादव, सहायक उप निरीक्षक प्रशांत सिंह, वेद साहू प्रधान आरक्षक राजकुमार सिंह, नथलू कवासी तथा आरक्षक बालचंद गावड़े की भूमिका रही।

सजग रहने की अपील

दंतेवाड़ा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर खड़ा करें। आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाएं तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर दें। नागरिकों के सहयोग से ही अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है।

पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं बल्कि हर नागरिक कर्तव्य है : कमांडेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यालय 222 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल नैमेड बीजापुर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर संरक्षण एवं संवर्धन का लिया संकल्प

कार्यक्रम का शुभारंभ विजेन्द्र सिंह कमांडेंट ने पौधरोपण कर किया। इस अवसर पर मूल चंद, द्वितीय कमान अधिकारी, ललित किशोर उप कमांडेंट डॉ. अन्नु आर्या, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी तथा अन्य अधिकारियों एवं जवानों ने भाग लिया। बटालियन मुख्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण अभियान चलाया गया तथा पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिकारियों एवं जवानों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्मिकों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण तथा स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने हेतु सक्रिय योगदान देने की शपथ ली। साथ ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। संबोधन में कमांडेंट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने, जल ⏭शेष पेज 10 पर

तम्बाकू स्वास्थ्य के लिए घातक, फौरन त्यागें : नाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नवीन उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सोनारपाल बस्तर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं।

- सोनारपाल में आयोजित कार्यक्रम में तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति किया गया जागरूक

कार्यक्रम का शुभारम्भ स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ. इशु साहू ने की। जबकि मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ. जीपी नाग रहे। विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राम कुमार देवांगन तथा सहायक प्राध्यापक भागवत कुमार थे। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा तम्बाकू तथा उससे निर्मित उत्पादों के सेवन से स्वास्थ्य और समाज पर अत्यंत घातक और विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। युवाओं से इस सामाजिक बुराई से दूर रहने का आह्वान किया गया। डॉ. इशु साहू ने युवाओं को सचेत करते हुए कहा कि तम्बाकू हमारे स्वास्थ्य के लिए एक धीमा जहर है जो न केवल युवाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से पंगु बनाता है बल्कि पूरे परिवार को आर्थिक रूप से भी कमजोर कर देता है। उन्होंने कहा कि यह हम सबका परम कर्तव्य है कि हम स्वयं इसके प्रति जागरूक रहें और समाज के दूसरे लोगों को भी इस लत के खिलाफ सजग व सचेत करें।

आकर्षक पोस्टरों से दिया संदेश

इस जागरूकता अभियान के दौरान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने अपने हाथों से तैयार किए गए आकर्षक व विचारोत्तेजक पोस्टरों के माध्यम से समाज में तम्बाकू के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों के प्रति लोगों को रचनात्मक ढंग से जागरूक किया।

सफल आयोजन पर आभार माना: कार्यक्रम में रीतिका समर, डॉ. अग्निभ हालदार, डॉ. रिनू तथा डॉ. वागेश्वरी सहित प्राध्यापकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुमित ने आभार व्यक्त किया।

डिजिटल त्रुटियों को सुधारने पटवारी जाएंगे रायपुर

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले का सम्मान और लापरवाह पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

राजस्व विभाग के लंबित मामलों के निराकरण और प्रशासनिक कामकाज में कसावट लाने के उद्देश्य से कलेक्टोरेट में कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में राजस्व समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आमजन से जुड़ी सेवाओं को समय पर पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं वाले कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा, वहीं अपने कार्यों में लापरवाही या कोताही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सर्वे ऑफ इंडिया से प्राप्त डिजिटल नक्शों में मौजूद तकनीकी त्रुटियों और मिलान संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए यह तय किया गया कि संबंधित पटवारी स्वयं आगामी दिनों रायपुर जाएंगे। वहां वे आईटी टीम के साथ बैठकर इन डिजिटल त्रुटियों को ऑन-स्पॉट सुधार कराएंगे, जिससे नक्शा प्रोजेक्ट के तहत नक्शा बटांकन के कार्यों की प्रगति को गति दी जा सके और इस पूरे कार्य को तय समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से पूरा किया जा सके। इसी क्रम में शासन की प्राथमिकताओं में शामिल एग्रीस्टैक पोर्टल में किसान पंजीयन कार्य की भी समीक्षा की गई और इसके लिए हर हाल में नियत समयावधि तक शत-प्रतिशत पंजीकरण पूर्ण करने कहा गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कवरेज का दायरा बढ़ाने तथा सरकारी पोर्टल पर आवश्यक आधार प्रविष्टि के कार्य को भी शत-प्रतिशत पूर्ण करने को कहा गया ताकि कोई भी पात्र किसान लाभ से वंचित न रहे। बैठक में ⏭शेष पेज 10 पर

- राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

आम जनता की समस्याओं का मौके पर हो निराकरण

प्रशासनिक कामकाज में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों को दस्तावेजों पर डिजिटल हस्ताक्षर का कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। ताकि भूस्वामियों एवं आम जनता को अपने भूमि संबंधी ऑनलाइन रिकॉर्ड प्राप्त हो सके। आगामी राजस्व पखवाड़ा के सफल क्रियान्वयन की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि इस विशेष अभियान के दौरान आम जनता की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जाए और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन सहित लोक सेवाओं की उपलब्धता के लिए सभी अधिकारी अनिवार्य तौर पर नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर कार्यों की सीधी निगरानी करें।

पंचायतों में निर्माण कार्यों की कमी से बढ़ी परेशानी व सरपंचों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों की कमी और विकास कार्यों की धीमी पड़ती गति को देखते हुए जिले भर के सरपंच एकजुट होकर ग्राम विकास के मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सरपंचों ने कहा कि शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को पर्याप्त निर्माण कार्य नहीं दिए जा रहे हैं जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों का विकास प्रभावित हो रहा है। पंचायतों के माध्यम से होने वाले सड़क, नाली, भवन, सामुदायिक संरचनाओं एवं अन्य विकास कार्यों में ठहराव की स्थिति बनी हुई है। सरपंचों ने मांग की कि पंचायतों को अधिक निर्माण कार्य स्वीकृत कर

- जिले भर के सरपंच हुए एकजुट, ग्राम विकास के मुद्दों पर की चर्चा

ग्रामीण विकास को गति दी जाए। सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष रैदू नाग व सचिव भरत कश्यप ने बताया कि विभिन्न मुद्दों को लेकर जिले भर के सरपंचों द्वारा जिला मुख्यालय स्थित शहीद पार्क में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सरपंचों ने ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की, बैठक का मुख्य केंद्र ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों की कमी और विकास कार्यों की धीमी पड़ती गति रही। बैठक में 15वें एवं 16वें वित्त आयोग की राशि लंबित होने तथा सरपंचों ⏭शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

कोसरिया यादव समाज की बैठक 7 को

धमतरी। जिला कोसरिया यादव समाज की जिला स्तरीय बैठक 7 जून रविवार को कुरूद ब्लाक के ग्राम चरमुड़िया में सामाजिक भवन में आयोजित की गई है। बैठक में सामाजिक बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। जिला सचिव रामेश्वर यादव ने बताया कि जिला स्तरीय बैठक जिलाध्यक्ष जोहन सिंग यादव के निर्देशानुसार रखी गई है। बैठक में समाज भवन के लिए स्थान चयन, संगठन को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा सामाजिक सहयोग राशि ब्लाक अध्यक्षों द्वारा जमा कराने के साथ अन्य महत्वपूर्ण विषय पर गहन चर्चा होगी।

पेंशनधारी कल्याण संघ की मासिक बैठक 8 को

धमतरी। छग पेंशनधारी कल्याण संघ जिला शाखा धमतरी की मासिक बैठक 8 जून को दोपहर 2 बजे से कर्मचारी भवन (तहसील कार्यालय के पास) धमतरी में आयोजित की गई है। बैठक में नये सदस्यों का स्वागत, संघ के सदस्यों का जन्मदिन एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जायेगी। संघ के सदस्यों से उपस्थिति की अपील कृपाशंकर मिश्रा, राजेन्द्र चन्द्राकर, राजकुमार मिश्रा, कृष्णाराम साहू, लक्ष्मणराव मगर, होलाराम परिहा, यशकरण सिंह गजेन्द्र, अरूण कुमार गौर ने की है। यह जानकारी सचिव ईश्वरी दयाल साहू ने दी है।

सतनामी समाज की ब्लॉक स्तरीय बैठक 7 को देवपुर में

नगरी। सतनामी समाज विकासखंड नगरी की ब्लॉक स्तरीय बैठक 7 जून को ग्राम देवपुर स्थित संत शिरोमणि गुरु घासीदास मंदिर प्रांगण में आयोजित की जाएगी। सतनामी समाज नगरी के अध्यक्ष विष्णु कुमार टंडन, सचिव डॉ. घनानंद सोनवानी, कोषाध्यक्ष भगत मन्हरे, उपाध्यक्ष योगेश भट्ट, नंदलाल कश्यप तथा मीडिया प्रभारी चैन सिंह गहने ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक एकता, आपसी समन्वय तथा समाज के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करना है।

69 पंचायतों के 345 पीएम आवास परिसरों में किया सघन पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत केशकाल में अनूठी पहल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत केशकाल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 5 जून को आयोजित इस विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत क्षेत्र की सभी 69 ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 345 हितग्राहियों के आवास परिसरों में पौधारोपण किया गया। यह अभियान प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने तथा प्रत्येक घर को हरियाली से आच्छादित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों के सरपंचों, पंचों, सचिवों, रोजगार सहायकों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को वृक्षों के पर्यावरणीय, सामाजिक एवं आर्थिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा बेहतर जीवन गुणवत्ता सुनिश्चित करने का भी प्रभावी उपाय है। फलदार पौधों से भविष्य में ग्रामीण परिवारों को पोषण एवं अतिरिक्त आय का लाभ भी प्राप्त होगा।

फलदार पौधे लगाए

अभियान की सफलता में वन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभाग द्वारा पौधारोपण के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे उपलब्ध कराए गए। स्थानीय जलवायु एवं ग्रामीण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आम, अमरूद, जामुन, कटहल, शहतूत और इमली जैसे फलदार पौधों के साथ-साथ बोहार एवं अर्जुन (कहवा) जैसे छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

'एक पेड़ माँ के नाम'

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाते हुए सभी हितग्राहियों को अपनी माताओं के सम्मान में लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल, संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प दिलाया गया। ग्रामीणों ने भी पौधों को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने और अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प व्यक्त किया।

सुशासन तिहार अंतर्गत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन सम्पन्न

बड़े डोंगर जनसमस्या निवारण शिविर में 27 ग्रामीणों को मिली आवासों की चाबियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

- शिविर में 248 आवेदन मिले, जिनमें 183 मांग संबंधी, 58 निर्माण संबंधी तथा 7 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल

सुशासन तिहार के अंतर्गत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन शुक्रवार को विकासखंड फरसगांव के ग्राम पंचायत बड़ेडोंगर में किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत बड़ेडोंगर की सरपंच श्रीमती चंद्रवती पुजारी ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य श्रीमती मनीषा नेताम, सरपंच झाड़ीराम सलाम, रामभरोश कुंवर, मंगलराम नेताम, हीरालाल नेताम, चंदूलाल कांगे, मंडल अध्यक्ष महेंद्र सलाम, विद्यासागर नायक, पाण्डिराम सलाम, यदुदास मानिकपुरी, भानुराम नाग तथा दुलम सिंह नाग सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर /"एक पेड़ मां के नाम/" अभियान के तहत माध्यमिक विद्यालय बड़ेडोंगर परिसर में पौधरोपण कर किया गया। शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, एसडीएम अश्वन कुमार पुसाम, तहसीलदार जयकुमार नाग, जनपद पंचायत सीईओ रूपेंद्र नेताम सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित थे।

शिविर में कुल 248 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 183 मांग संबंधी, 58 निर्माण संबंधी तथा 7 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल थे। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 11 आयुष्मान कार्ड, 7 जन्म प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा 120 लोगों का ओपीडी परीक्षण किया गया। खाद्य विभाग द्वारा 18 राशन कार्ड, आधार केंद्र के माध्यम से 13 आधार अपडेट एवं 7 नए आधार पंजीयन किए गए। कृषि विभाग द्वारा 7 किसानों को कीटनाशक सामग्री वितरित की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 6 विद्यारंभ प्रमाण पत्र, 3 गोदभराई, 3 अन्नप्राशन तथा 3 सुपोषण किट प्रदान किए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा 4 दिव्यांग हितग्राहियों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, 3 व्हीलचेयर, 3 श्रवण यंत्र तथा 5 स्टील छड़ी वितरित की गईं। राजस्व विभाग द्वारा 10 बी-1 एवं खसरा प्रतियां तथा 16 किसान किताबों का वितरण किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा 12 जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वन विभाग द्वारा 2 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा 2 तेंदूपत्ता संग्राहकों को चेक वितरित किए गए। मनरेगा अंतर्गत 15 जॉब कार्ड प्रदान किए गए तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के 27 हितग्राहियों को आवास की चाबियां सौंपी गईं। उद्यानिकी विभाग द्वारा 11 हितग्राहियों को उन्नत किस्म के पौधे, मत्स्य विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को मछली पकड़ने के जाल, क्रेडा विभाग द्वारा 5 ड्यूल सोलर पंप तथा पशुधन विकास विभाग द्वारा 7 हितग्राहियों को अनुदान प्रमाण पत्र वितरित किए गए। विभिन्न योजनाओं की सामग्री एवं प्रमाण पत्रों का वितरण मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों के हाथों किया गया। शिविर के अंत में एसडीएम श्री अश्वन कुमार पुसाम ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाबा साहेब सेवा संस्था ने किया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

सामाजिक सरोकारों के लिए निरंतर सक्रिय बाबा साहेब सेवा संस्था, कोंडागांव ने एक बार फिर मानवता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। संस्था के पदाधिकारियों ने जिला अस्पताल पहुंचकर एक जरूरतमंद बुजुर्ग मरीज के लिए रक्त की व्यवस्था कराई, जिससे समय पर उपचार संभव हो सका। संस्था के सक्रिय सदस्य वीरेंद्र टंडन ने जरूरतमंद बुजुर्ग के लिए रक्तदान किया। जानकारी के अनुसार वीरेंद्र टंडन इससे पूर्व भी 5 से 6 बार रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दे चुके हैं। उनके इस निस्वार्थ योगदान की सराहना की जा रही है।

रक्तदान को बताया महादान – संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान ऐसा दान है, जो सीधे किसी व्यक्ति को नया जीवन देने का कार्य करता है। समय पर रक्त उपलब्ध होने से कई गंभीर मरीजों की जान बचाई जा सकती है। संस्था भविष्य में भी जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए तत्पर रहेगी।

समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मिल रहा बढ़ावा

बाबा साहेब सेवा संस्था द्वारा लगातार किए जा रहे सामाजिक कार्यों से युवाओं में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना मजबूत हो रही है। संस्था के सदस्य जरूरत पड़ने पर रक्तदान, स्वास्थ्य सहायता एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

पदाधिकारी रहे उपस्थित

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष भुवन लाल मार्कण्डेय, मुकेश मार्कण्डेय, विनय राज मार्कण्डेय एवं कमलेश आडिल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने रक्तवीर वीरेंद्र टंडन के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की।

स्कूल सत्र खुलने की तैयारी, लेकिन भवनो कि स्थिति जस कि तस

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

केंद्र एवं राज्य सरकार एक ओर शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु कई प्रयास कर रही है और कई कदम उठाए जा रहे हैं वही दूसरी ओर केशकाल के बड़पारा के प्राथमिक स्कूल की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है, भवन जर्जर हो चुके हैं सामने दीवाल भी कभी भी गिर सकती है जिससे कभी भी अप्रिय घटना सकती है..।

भवन के निर्माण हेतु कई बार प्रयास :- शाला समिति के अध्यक्ष पहाड़ सिंह यादव ने बताया कि इस स्कूल के निर्माण हेतु कई बार प्रयास किया गया है, स्कूल के पदाधिकारीयों एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा कई बार प्रस्ताव बनाकर दिया गया है लेकिन स्थिति जस कि तस है जिला मे जाकर फिर फ़ाइल अटक जाती है..।

160 बच्चो कि जिन्दी खतरे मे :- बड़पारा के प्राथमिक स्कूल में 160 बच्चे अध्यनरत है और हर दिन इस जर्जर भवन से गुजरना होता है बच्चों के पालको का कहना है इस बार शिक्षा सत्र आरंभ होने वाला है और फिर हमारे सामने समस्या है कि बच्चों को इस स्कूल मे कैसे भेजे जब भवन ही जर्जर है..।

दो सांसद दो विधायक इस क्षेत्र से कर चुके हैं प्रतिनिधित्व :- बड़पारा वह स्थान है जहाँ अविभाजित मध्य प्रदेश के समय मे दो सांसद एवं दो विधायक इस क्षेत्र से निर्वाचित हो चुके हैं फिर भी ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर भी शिक्षा के बुनियादी आवश्यकताओं के लिए नगर वासियों को जद्दोजहद करना पड़ रहा है जो शासन प्रशासन की निष्कर्ता को दर्शाता है..।

सुशासन तिहार शिविर में बिहान की महिलाओं को मिली 19.32 करोड़ की आर्थिक सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

ग्राम बड़ेकनेरा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिहान से जुड़ी महिला स्व–सहायता समूहों की महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के विस्तार एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए 19 करोड़ 32 लाख 76 हजार रुपये की ऋण सहायता राशि के चेक वितरित किए।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने की शुभकामनाएं – मुख्यमंत्री ने सहायता राशि प्रदान करते हुए महिलाओं को नई आजीविका गतिविधियां शुरू करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए शुभकामनाएं दीं। चेक प्राप्त करने के बाद महिला समूहों की सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

लखपति पखवाड़ा अभियान के तहत मिली सहायता – यह आर्थिक सहायता जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिला मिशन प्रबंधन इकाई द्वारा संचालित 'लखपति पखवाड़ा अभियान' के अंतर्गत प्राप्त मांगों के आधार पर उपलब्ध कराई गई है।

महिलाओं की आय बढ़ाने पर विशेष फोकस – भारत सरकार की 'लखपति दीदी योजना' के तहत संचालित इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग और अन्य स्वरोजगार गतिविधियों के लिए ऋण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। लखपति पखवाड़ा अभियान को ग्राम पंचायत स्तर पर चार चरणों में संचालित किया गया। पहले चरण में महिलाओं से मांग प्राप्त की गई, दूसरे चरण में संकुल स्तरीय संगठनों द्वारा राशि उपलब्ध कराई गई, तीसरे चरण में ग्राम संगठनों के माध्यम से समूहों तक राशि पहुंचाई गई और चौथे चरण में समूह सदस्यों को राशि वितरित की गई। जिला प्रशासन के अनुसार अभियान में उन महिलाओं को भी प्राथमिकता दी जा रही है, जो पहली बार किसी आजीविका गतिविधि से जुड़कर अपनी आय बढ़ाना चाहती हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और वे 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

पेज 9 के शेष

चोरी की दो ....

अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के निशानदेही पर उनके कब्जे से चोरी गई दोनों बाईक बरामद कर ली गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया है। मामले में अन्य संलिप्त आरोपियों की तलाश जारी है।

पर्यावरण संरक्षण केवल....

संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति संवेदनशील जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

स्वच्छ वातावरण का संदेशः अधिकारियों एवं जवानों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। स्थानीय नागरिकों को भी पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। बताया गया कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने ....

अपर कलेक्टर सीपी बघेल, राजस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी एआर राणा, अधीक्षक भू अभिलेख सहित जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

अविवादित नामांतरण मामले में न हो देरीः कलेक्टर ने कहा कि अविवादित नामांतरण और अविवादित खाता विभाजन के मामलों में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलंब नहीं किया जाए और अविवादित नामांतरण के सभी प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए। यदि इसमें किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही पाई गई, तो संबंधित हल्का पटवारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरी ओर विवादित मामलों के संदर्भ में उन्होंने दोनों पक्षों को निष्पक्षता से सुनकर न्यायसंगत निर्णय लेने तथा भूमि मापन की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए सीमांकन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

पंचायतों में निर्माण ...

एवं पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय भुगतान में हो रही देरी पर भी चिंता व्यक्त की गई। सरपंचों का कहना है कि वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कई ग्रामों में अधूरे एवं लंबित कार्यों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सरपंचों ने कहा कि पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव में आ रही समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीणों को नियमित पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक के अंत में सरपंच संघ ने कहा कि पंचायतों को पर्याप्त संसाधन, वित्तीय सहायता एवं निर्माण कार्य उपलब्ध कराए बिना ग्रामीण विकास की गति को बनाए रखना संभव नहीं है। संघ ने शासन-प्रशासन से शीघ्र सकारात्मक पहल करने की मांग की है।

पंपों में किसानों को डीजल-पेट्रोल नहीं दिए कृषि कार्य प्रभावित : बैठक में किसानों एवं ग्रामीणों को डीजल-पेट्रोल उपलब्ध कराने में आ रही समस्याओं पर भी चर्चा हुई। सरपंचों ने बताया कि पेट्रोल पंपों द्वारा डिब्बों एवं कंटेनरों में ईंधन देने पर रोक लगाए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश किसान खेतों में ट्रैक्टर, पंप एवं कृषि उपकरणों के संचालन के लिए खेत तक ईंधन ले जाने पर निर्भर रहते हैं। ऐसी स्थिति में कंटेनरों में ईंधन नहीं मिलने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से आवश्यक व्यवस्था बनाने की मांग की गई।

फर्जी पत्रकारों से परेशान सरपंच : बैठक में तथाकथित फर्जी पत्रकारों द्वारा सरपंचों एवं सचिवों को झूठी एवं मानहानिकारक खबरें प्रकाशित करने की धमकी देकर विज्ञापन के नाम पर पैसे मांगने तथा मानसिक दबाव बनाने के मामलों की भी निंदा की गई। सरपंच संघ ने ऐसे मामलों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। सरपंचों ने फर्जी पत्रकारों द्वारा की जा रही ब्लैकमेलिंग एवं धमकी की घटनाओं पर कठोर कार्रवाई की मांग शासन-प्रशासन से की है।

तैयारियों को लेकर जिला पंचायत सीईओ ने दिए दिशा–निर्देश

जिला स्तरीय रोजगार और आवास दिवस आज मनाएंगे, तैयारी पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

शासन के निर्देशानुसार आगामी 7 जून को जिले में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का विशेष आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई द्वारा विभागीय अधिकारियों और मैदानी अमले को समय–सीमा के भीतर सभी आवश्यक तैयारियां व कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

आवास दिवस– लंबित मकानों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश – आवास दिवस के सफल क्रियान्वयन के लिए सीईओ ने निर्देशित किया है कि ग्रामीण क्षेत्रें में आवास निर्माण के कार्योंर् में तेजी लाई जाए। इसके तहत सभी अपूर्ण आवासों को शीघ्रता से पूरा कराने के लिए संबंधित हितग्राहियों को लगातार प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत जितने भी आवास अभी लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पूर्ण कराया जाएगा। इसके साथ ही आवास योजनाओं से जुड़ी ग्रामीण स्तर पर प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

रोजगार दिवस – श्रमिकों को मिलेगा अधिकतम काम, जल संरक्षण पर जोर – रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और श्रमिकों को संबल प्रदान करने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार के अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उनकी मांग के अनुसार अधिकतम रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। वर्षा ऋतु मानसून प्रारंभ होने से ठीक पहले जल संरक्षण एवं जल संवर्धन से संबंधित सभी कार्योंर् को अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही आगामी वृक्षारोपण की तैयारियों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है तथा जलदूत ऐप में निर्धारित समय–सीमा के भीतर डेटा अपलोडिंग सुनिश्चित की जाएगी। डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए क्यूआर कोड का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा।

व्हीबीजीरामजी योजना का होगा व्यापक प्रचार–प्रसार

जिले में ग्रामीण विकास को गति देने वाली व्हीबीजीरामजी योजना के क्रियान्वयन को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रें में अनेक विकास कार्योंर् की स्वी—तियां प्रदान की गई हैं, जिनमें से कई कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इन स्वी—त एवं पूर्ण हो चुके सभी विकास कार्योंर् की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जाएगा। प्रचार–प्रसार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को योजना के लाभों के प्रति जागरूक करना है ताकि वे स्थानीय स्तर पर हो रहे विकास कार्योंर् में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

मनरेगा अंतर्गत 14.49 करोड़ का मजदूरी भुगतान पूर्ण, 15 जून तक की डेडलाइन तय

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना मनरेगा के तहत श्रमिकों को लगातार मजदूरी राशि का भुगतान किया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष के माह अप्रैल से लेकर अब तक की स्थिति में जिले के श्रमिकों के खातों में लगभग 14 करोड़ 49 लाख रुपये की मजदूरी राशि का शत–प्रतिशत भुगतान पूर्ण किया जा चुका है और यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई ने स्पष्ट किया है कि मानसून पूर्व जितने भी मजदूरी मूलक कार्य हैं, उन्हें पूरा करने के लिए एक विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने जिले के समस्त मैदानी अमले को निर्देशित किया है कि 15 जून तक अधिक से अधिक कार्योंर् को हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए।

फरसगांव थाने का एसपी पंकज ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

पुलिस अधीक्षक कोंडागांव पंकज चंद्रा ने शनिवार को फरसगांव थाना का औचक निरीक्षण कर पुलिस कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग, गुम इंसान एवं अन्य प्रकरणों की स्थिति की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। एसपी ने थाना के रोजनामचा, अपराध पंजी, मालखाना, शस्त्रागार एवं आर्म्स-एम्युनेशन का निरीक्षण कर अभिलेखों की जांच की। उन्होंने थाना प्रभारी चंद्रशेखर श्रीवास को थाना परिसर की साफ-सफाई तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना में पदस्थ प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों से चर्चा कर उन्हें विवेचना, कानून-व्यवस्था संधारण, पुलिस कार्यप्रणाली तथा आम नागरिकों से बेहतर व्यवहार संबंधी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण, अपराध नियंत्रण, प्रभावी पेट्रोलिंग तथा आमजन की शिकायतों पर संवेदनशीलतापूर्वक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी पंकज चंद्रा ने कहा कि जिले में बेहतर पुलिसिंग और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित समीक्षा एवं निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

शपथ-पत्र

(नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मैं बिडू कर्मा पिता कुम्मा कर्मा जाति माड़िया, निवासी ग्राम टेकानार पोस्ट धनोरा तहसील छोटेडोंगर जिला नारायणपुर (छ.ग.) एतदद्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूँ और निम्नानुसार घोषित करता हूँ :-

1. मैं ग्राम टेकानार पोस्ट धनोरा तहसील छोटेडोंगर जिला नारायणपुर (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूँ।
2. मैं अपनी नाबालिग पुत्री सोमरी (SOMARI) के नाम एवं जन्मतिथि 29/09/2017 को बदलकर उसका सही नाम सोमारी (SOMARI) एवं सही जन्मतिथि 29/09/2019 अंकित करवाना चाहता हूँ। जो उसके जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है।
3. मैं अपनी पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा।
4. मेरी पत्नी श्रीमती पालो (पत्नी/पति का नाम) को हमारी नाबालिग पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

सत्यापन

मैं शपथकर्ता बिडू कर्मा पिता कुम्मा कर्मा सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथ पत्र की कंडिका 01 से 05 तक की समस्त जानकारी मेरे स्वयं के ज्ञान से सत्य एवं सही है। आज दिनांक 05/06/2026 को स्थान नारायणपुर में अपना हस्ताक्षर/अंगूठा निशान कर सत्यापित किया।

स्थान :- नारायणपुर — सत्यापनकर्ता
दिनांक :- 05/06/2026 — बिडू कर्मा

खबर संक्षेप

पौधरोपण प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व : कमांडेंट

जगदलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कोबरा परिसर करनपुर में 201 एवं 204 कोबरा बटालियन ने पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इस दौरान अधिकारियों एवं कमाण्डोज ने बटालियन परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। कमांडेण्ट ने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के विकास तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण के महत्व के बारे में बताया। साथ ही अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण हेतु सतत प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का जीवनभर का नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम में उपस्थित कमाण्डोज ने पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन हेतु सक्रिय योगदान देने की शपथ ली।

बटालियन ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

गीदम। 231 बटालियन ने वाहिनी प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर सुनील भवर कमाण्डेंट ने पौधरोपण किया तथा जवानों को पर्यावरण की सुरक्षा पर संबोधित किया। इस अवसर पर कमाण्डेंट ने किए जा रहे पौधरोपण अभियान की समीक्षा की तथा जवानों को निर्देशित किया। आगामी वृक्षारोपण अभियान हेतु वाहिनी को प्रदान किए गए लक्ष्य को बरसात के शुरूआती चरणों में ही पूर्ण किया जाए ताकि रोपे गए पौधे बरसात के मौसम में ही वृद्धि उचित प्रकार से कर सकें। इस अवसर पर वाहिनी की सुदूर तैनात समवायों में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा स्थानीय नागरिकों ने वाहिनी द्वारा किए जा रहे जन-कल्याण कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस का धन्यवाद ज्ञापन किया।

बस्तरिया बटालियन ने कैम्प में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दरभा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 241 बस्तरिया बटालियन ने 5 जून को सेडवा स्थित मुख्यालय कैम्प परिसर के क्षेत्र में पौधरोपण किया गया जिसमें 165 पौधे लगाये गये। कार्यकम के मुख्य अतिथि संजय कुमार द्वितीय कमान अधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारी एवं जवानों को सम्बोधित करते हुए बताया कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने और शुद्ध वायु सुनिश्चित करने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। आज हम सबको इसके लिए जागरूक होकर आने वाली पीढ़ियों के लिए एवं पर्यावरण को बचाने के लिए अधिकाधिक पौधे लगाने की आवश्यकता है। कार्यकम में निरंजन कुमार निराला उप कमाण्डेट, प्रमोद कुमार मीना उप कमाण्डेट एवं बटालियन के अधिनस्थ अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

217 बटालियन ने लगाए फलदार व छायादार पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोंटा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 217 वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने हेतु बटालियन कि सभी कंपनियों के परिचालनिक क्षेत्र तुमालभट्टी, वेलकनगुड़ा, सालाटोंग, धर्मापेंटा में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के दौरान एफ 217 बटालियन तुमालभट्टी में नीर सिंह मीणा द्वितीय कमान अधिकारी ने पौधरोपण किया तथा जवानों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा वृक्षों के महत्व के बारे में संबोधित करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। बताया कि 217 वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम समय समय पर निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

जिन हाथों में कभी बंदूकें थीं, अब वो बनाएंगे दूसरों के आशियाने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोंटा

कभी घोर नक्सल प्रभावित रहे सुकमा जिले में शांति और विकास की एक नई इबारत तलाश की जा रही थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शासन ने एक ऐसी संवेदनशील और दूरदर्शी पहल की है, जो पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है। एक समय जिन हाथों में विनाश की बंदूकें थीं, आज जिला प्रशासन और एसबीआई आरसेटी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त प्रयासों से उन्हीं हाथों में निर्माण के

■ अब तक 280 आत्मसमर्पितों को मिला राजमिस्त्री का प्रशिक्षण

औजार और सुनहरे भविष्य के सपने हैं। पुनर्वास केंद्र में रह रहे 25 आत्मसमर्पित नक्सलियों जिसमें 13 महिलाएं और 12 पुरुष शामिल हैं,को राजमिस्त्री का व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भरता की ओर एक मजबूत कदम बढ़ाया गया है ।

प्रशासन का यह अभियान केवल कौशल विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुर्गम, पहुंचविहीन और विकास से दूर रहे क्षेत्रों की बुनियादी समस्याओं को दूर करने का एक अचूक मास्टरस्ट्रोक भी है। लंबे समय से इन अंदरूनी इलाकों में कुशल राजमिस्त्रियों की कमी के कारण विकास कार्य थमे हुए थे। अब ये प्रशिक्षित युवा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और अन्य भवन निर्माण के तहत जिले के अधूरे और नए आवासों को अपने हाथों से तराशेंगे। इस तरह प्रशासन ने एक ही प्रयास से न सिर्फ इन युवाओं को सम्मानजनक रोजगार देकर उनका आर्थिक व सामाजिक समावेशन सुनिश्चित किया है, बल्कि सुकमा के विकास कार्यों को भी एक नई रफ्तार और गुणवत्ता दी है।

अरलमपल्ली, कोंटा निवासी हूंगी सोड़ी की आंखों में अब डर नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई चमक है। हिंसा का रास्ता छोड़ जिंदगी की नई शुरुआत करने वाली हूंगी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने हमारे रहने, खाने और सम्मान से जीने का पूरा इंतजाम किया है। यहाँ राजमिस्त्री का काम सीखकर हम न सिर्फ अपने पैरों पर खड़े होंगे, बल्कि मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का सहारा भी बनेंगे।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि आत्मसमर्पण का वास्तविक अर्थ सिर्फ हथियार छोड़ना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना है। अब तक लगभग 280 आत्मसमर्पित युवाओं को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। पुनर्वासित युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर स्थायी व सम्मानजनक जीवन देना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह पहल सुकमा में शांति, विश्वास और विकास की मजबूत नींव रख रही है।

जगरगुंडा के मंडीमरका निवासी पदम रैनू की कहानी बस्तर में आ रहे बदलाव की एक जीती-जागती तस्वीर है, जिन्होंने अतीत के अंधेरे को पीछे छोड़ खुशहाल भविष्य की ओर कदम बढ़ाया है। छत्तीसगढ़ सरकार की इस संवेदनशील पुनर्वास नीति की तारीफ करते हुए पदम भावुक होकर कहते हैं, पहले हमारा जीवन जंगलों में बेहद कठिनाई और अनिश्चितता में बीतता था, जहां रहने-खाने का कोई ठिकाना नहीं था; लेकिन आज सरकार की बदौलत हमें यहाँ बेहतरीन आवासीय सुविधाएं और राजमिस्त्री बनने का प्रशिक्षण मिल रहा है। इससे हम आत्मनिर्भर बनेंगे, अपने और अपने परिवार का पालन पोषण करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार हमारे पुनर्वास के लिए बहुत अच्छा काम कर रही है। इसके लिए सरकार को बहुत बहुत धन्यवाद।

जिला प्रशासन का यह अनुकरणीय प्रयास यह साबित करता है कि अगर प्रशासन संवेदनशील हो, तो बंदूक की गोली पर विकास और विश्वास की बोली भारी पड़ती है, जिससे बस्तर की वादियों में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। जिला प्रशासन के इस आत्मीय प्रयास ने न केवल पदम, सोड़ी हूंगी जैसे युवाओं को जंगलों के खौफ से आजादी दिलाई है, बल्कि उनके हाथों में हुनर सौंपकर समाज में सम्मान से जीने और अपने परिवार का बेहतर पालन-पोषण करने का एक अटूट भरोसा भी दिया है।

पर्यावरण को संरक्षित रखने दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए जलवायु संरक्षण हेतु वैश्विक आह्वान के विषय में शासन के निर्देशानुसार नगर पंचायत गीदम में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर में वार्ड क्रमांक 14 कड़तीपारा में स्थित गोठान में नगर

■ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के नियमों का पालन करने दिए निर्देश

के जनप्रतिनिधिगण एवं नगर पंचायत के अधिकारी, कर्मचारियों के द्वारा पौधरोपण किया गया एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी हुलसी प्रधान के मार्गदर्शन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम का समस्त घटकों के बारे में सुचारू रूप से पालन करने हेतु संक्षिप्त में उल्लेख एवं चर्चा किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा पर्यावरण को संरक्षित रखने हेतु शपथ भी दिलाई गई।

पर्यावरण को बचाने अधिक से अधिक पौधे लगाए

मुख्य नगर पालिका अधिकारी हुलसी प्रधान ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कार्य अधिक से अधिक पौधरोपण करना है। उन्होंने समस्त नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना है। आसपास हरियाली रखते हुए पेड़ पौधों अधिक से अधिक लगाने नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में पार्षद मनकु लेकामी, दिलीप सोनी, सूरज सिंह ठाकुर, खिलावन सागर, अवधेश गुप्ता, कृष्णा नाग, मनीषा यादव, उप अभियंता रोहित कुमार नाग एवं नगर पंचायत के कर्मचारीगण की भागीदारी रही।

ग्रामीणों ने रेली तसर इको रेस के महत्व को समझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बस्तर

केंद्रीय रेशम बोर्ड के तहत केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रांची की इकाई क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र जगदलपुर ने 4 जून को बस्तर जिले के ग्राम रेटावंड में रेली तसर इको-रेस जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन सीएसबी बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केंद्र बस्तर बीटीएसएसओ छत्तीसगढ़ शासन के रेशम विभाग और कृषि विभाग के सहयोग से किया गया। इसमें 50 से अधिक ग्रामीणों ने भाग लेकर बस्तर की विशिष्ट रेली तसर इको-रेस, उसके पोषक वृक्षों और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण के महत्व को समझा।

कार्यक्रम में किसानों के साथ समूह चर्चा हुई, जिसमें संरक्षण और आजीविका संवर्धन से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य अतिथि एआर रिज़वी, सेवानिवृत्त वरिष्ठ रेशम निरीक्षक और उपसरपंच चेतन सिंह ठाकुर ने ग्रामीणों को संरक्षण गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. अरविंद कुमार एस., डॉ. बी. तिरुपम रेड्डी, वाई. प्रवीण रेड्डी, सुनील कुमार परिछा, टीएच सिद्दीकी, इंद्रनाथ भारद्वाज और संतोष मौर्य ने रेली तसर इको-रेस संरक्षण, पोषक वृक्षों के संवर्धन, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, उन्नत तसर प्रौद्योगिकियों और सामुदायिक आधारित आजीविका विकास पर अपने विचार साझा किए।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में अतिथियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों और ग्रामीणों ने मिलकर अर्जुन पौधों का रोपण किया। वक्ताओं ने कहा कि रेली तसर इको-रेस बस्तर की जैव विविधता, जनजातीय परंपराओं और वन-आधारित आजीविका का अभिन्न हिस्सा है। इसके संरक्षण के लिए प्राकृतिक आवासों की रक्षा, साल सहित पोषक वृक्षों का संरक्षण और व्यापक रोपण जरूरी है। सभी प्रतिभागियों ने अपनी माता के नाम पर कम से कम एक पेड़ लगाने, वनों की रक्षा करने और भावी पीढ़ियों के लिए रेली तसर इको-रेस को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक शपथ और समूह छायाचित्र के साथ हुआ।

अधिक से अधिक पौधे लगाने और रक्षा करने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनएसएस इकाई, एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक दंतेवाड़ा द्वारा माय भारत के सहयोग से पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों के रोपण के साथ हुआ।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ. मुकेश ठाकुर ने उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सतत दायित्व है। उन्होंने सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। वृक्षारोपण अभियान में तेजपत्ता, आंवला, कटहल, शीशम सहित विभिन्न पुष्पीय एवं छायादार पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों एवं संस्थान के स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में माय भारत दंतेवाड़ा के जिला युवा अधिकारी आदित्य पांडे तथा माय भारत के स्टाफ सदस्य विवेक कुमार एवं रेशमा स्वर्णकार उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के संदेश एवं पौधों की नियमित देखभाल के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घाटलोहंगा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत बड़े चकवा में ग्राम पंचायत एवं कृषि विज्ञान केंद्र जगदलपुर के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में ग्रामीणों, किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं कृषि वैज्ञानिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. वेंकटेश्वर ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान एवं स्वस्थ मिट्टी, सशक्त किसान, समृद्ध भारत अभियान के माध्यम से किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, इसलिए किसानों को जैविक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत एवं अन्य जैविक खादों का उपयोग मिट्टी की सेहत सुधारने के साथ-साथ उत्पादन क्षमता को भी बढ़ाता है।

उन्होंने किसानों को नियमित रूप से मिट्टी परीक्षण कराने की सलाह देते हुए कहा कि खेत की मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की जानकारी के आधार पर ही उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। इससे अनावश्यक खर्च कम होगा और फसलों को संतुलित पोषण मिलेगा। डॉ. वेंकटेश्वर ने फसल अवशेषों को जलाने की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे पर्यावरण प्रदूषित होता है तथा मिट्टी के लाभकारी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने किसानों को अवशेषों से जैविक खाद एवं हरी खाद तैयार करने की सलाह दी। साथ ही जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. कमल किशोर कश्यप ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनका संरक्षण करे। विशेष रूप से फलदार, छायादार एवं विलुप्तप्राय प्रजातियों के पौधों का रोपण और संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों से रासायनिक खादों का उपयोग कम करने तथा जीवामृत और अन्य जैविक विकल्पों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी खेती को बढ़ावा देना होगा जो मिट्टी, जल और पर्यावरण के लिए सुरक्षित हो तथा कृषि को दीर्घकालिक रूप से लाभकारी बनाए। ग्राम पंचायत बड़े चकवा के उप सरपंच पूरन सिंह कश्यप ने कहा कि खेती में फसल चक्र एवं हरी खाद का उपयोग किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है। इससे भूमि की उर्वरता बनी रहती है, उत्पादन लागत घटती है तथा बेहतर उत्पादन प्राप्त होता है।

वृक्ष हमारे जीवन का आधार : नाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न वन परिक्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को लेकर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर हरित वातावरण बनाने का संदेश दिया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करें रखी गई है, जिसके माध्यम से पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संदेश दिया जा रहा है। वन परिक्षेत्र गीदम अंतर्गत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गीदम में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी सुरक्षा करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उप वनमंडल अधिकारी वी. एन. नाग, रेंजर गीदम शिव टंडन, एकलव्य विद्यालय गीदम के प्राचार्य, उप वन क्षेत्रपाल के. राजू, एसबीआई ब्रांच मैनेजर सहित वन विभाग के समस्त सहायक परिक्षेत्र अधिकारी, बीट फॉरेस्ट ऑफिसर एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसडीओ श्री नाग ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए आज से ही प्रकृति संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

न्यायालय तहसीलदार तोकापाल जिला बस्तर छ.ग.
रा.प्र.क्र. / क / तह. / 2025-26
तोकापाल दिनांक 27/05/2026
-- उद्घोषणा --

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेन्द्र कुमार यादव पिता सोनाधर यादव जाति रावत निवासी ग्राम कोयपाल तहसील तोकापाल जिला बस्तर छ.ग. के द्वारा मेरे न्यायालय में मृत्यु पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसमें आवेदक अपने दादी मानकदेई यादव पति रामधर यादव मृत्यु तिथि 08/10/2008 दर्शाया गया है। ग्राम पंचायत कोयपाल के अंतर्गत है यह उद्घोषणा ग्राम पंचायत के सूचना पटल में देखा जा सकता है। अर्थात उपरोक्त आवेदन पत्र के तारतम्य में मृत्यु तिथि के संबंध में किसी व्यक्ति/ ग्रामवासी/ पंचायत को किसी भी तरह कोई आपत्ति है तो वह न्यायालय कि पेशी तिथि 11/06/2026 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते है। पेशी पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 27/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार तोकापाल

न्यायालय तहसीलदार तोकापाल जिला बस्तर छ.ग.
रा.प्र.क्र. / क / तह. / 2025-26
तोकापाल दिनांक 27/05/2026
-- उद्घोषणा --

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेन्द्र कुमार यादव पिता सोनाधर यादव जाति रावत निवासी ग्राम कोयपाल तहसील तोकापाल जिला बस्तर छग के द्वारा मेरे न्यायालय में मृत्यु पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसमें आवेदक अपने दादी रामा यादव पति रामधर यादव मृत्यु तिथि 08/06/2013 दर्शाया गया है। ग्राम पंचायत कोयपाल के अंतर्गत है यह उद्घोषणा ग्राम पंचायत के सूचना पटल में देखा जा सकता है। अर्थात उपरोक्त आवेदन पत्र के तारतम्य मे मृत्यु तिथि के संबंध में किसी व्यक्ति / ग्रामवासी/पंचायत को किसी भी तरह कोई आपत्ति है तो वह न्यायालय कि पेशी तिथि 11/06/2026 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते है। पेशी पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 27/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार तोकापाल

खबर संक्षेप

500 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

दंतेवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नेरली स्थित सीआरपीएफ 230वीं बटालियन, बचेली परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा सीआरपीएफ के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में कुल 500 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं प्रशासन की ओर से कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, वनमंडलाधिकारी (डीएफओ) रामकृष्ण रंगनाथा वाय तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा वृक्षारोपण जलवायु संतुलन बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। सीआरपीएफ के जवान देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वृक्षारोपण, जल संरक्षण एवं स्वच्छता जैसे अभियानों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित जनों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाएगी ताकि वे भविष्य में हरित पर्यावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। वृक्षारोपण अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास किया गया।

दो जून की रोटी के लिए जून की तपती दुपहरी में कड़ी मशक्कत...

जगदलपुर। आम, ईमली, टोरा, महुआ और तेंदूपत्ता के बाद अब सरई बीज के लिए बालिकाएं और महिलाएं दो जून की रोटी के लिए जून महीने की तपती दुपहरी में कड़ी मशक्कत कर रही हैं। बकावंड रेंज के ग्राम मटनार की ये महिलाएं दोपहर के लगभग 2 बजे हाथों में टोकना लिए पक्की सड़क से सरई फूल को एकत्र कर रही थी। एक बुजुर्ग महिला लंबे बांस से उंचे पेड़ पर लगे फूलों को गिरा रही थी। हरिभूमि से चर्चा में उन्होंने कहा कि जंगल से ही हमारी रोजी रोटी चलती है। घर से पेज पसिया लेकर निकले हैं। जब भूख प्यास लगती है तो खा पी लेते हैं। आम, ईमली, महुआ, टोरा और तेंदूपत्ता के बाद अब सरई का सीजन आया है। इसमें मेहनत खूब लगती है। गर्मी में तकलीफ होती है पर क्या करें। खाने पीने के लिए पैसा जरूरी है और जंगल हमें सब कुछ देता है। सरई ले जाकर पक्की सड़क में पत्थर से घिस घिस कर तैयार करेंगे और बोरा में भरकर बेचने ले जाएंगे। अभी 25 रूपए मिलने की बात कही। करपावंड के रेंज अफसर सौरभ रजक ने कहा कि जिला यूनियन के माध्यम से सरकारी खरीदी लघु वनोपज के तय समर्थन मूल्य से होता है। ए ग्रेड का सरई बीज 20 रूपए और बी ग्रेड का 18 रूपए है। वैसे अभी सरकारी खरीदी शुरू नहीं हुई है। खुले बाजार में नगद पैसा मिलने ग्रामीण बेच रहे है। खरीदी के निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। *छाया : सुरेश रावल*

छात्र संगठनों ने एमबीबीएस इंटर्न्स के स्टाइपेंड की मांग को लेकर डीन को सौंपा ज्ञापन

चिकित्सा छात्रों का कार्य बहिष्कार हड़ताल पर जाने की दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ में कार्यरत एमबीबीएस इंटर्न्स को अगस्त 2023 से मात्र 15,900 रुपये प्रति माह का स्टाइपेंड मिल रहा है। सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं में मरीजों की चौबीसों घंटे सेवा और उनके भारी कार्यभार को देखते हुए, राष्ट्रीय औसत की तुलना में यह राशि अत्यंत कम और विसंगतिपूर्ण है। इसे एक सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाने के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में एक व्यापक राज्यव्यापी मुहिम की शुरूआत की गई है।

इस मुहिम को प्रदेश भर के मेडिकल छात्रों से अभूतपूर्व और जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ है। इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नाम डिमरापाल स्थित मेडिकल कॉलेज के डीन को ज्ञापन दिया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सक्रिय छात्र सुजल कुमार गुप्ता, सुमित त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, शीतल उपाध्याय, आन्या राशिद एवं रुहमा खान ज्ञापन में बताया कि स्टाइपेंड समीक्षा और वृद्धि की मांग को लेकर अब तक विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 6,468 से अधिक प्रतिक्रियाएं दर्ज की जा चुकी हैं। आंदोलन की खास बात यह है कि इसमें प्रथम वर्ष के नवागंतुक छात्रों से लेकर वर्तमान में सेवाएं दे रहे इंटर्स सहित सभी शैक्षणिक वर्षों के विद्यार्थी एकजुट होकर सहभागिता कर रहे हैं और अन्यायपूर्ण स्टाइपेंड के खिलाफ निरंतर आवाज बुलंद कर रहे हैं। कॉलेज के वरिष्ठ मार्गदर्शक चिकित्सकों और छात्र प्रतिनिधियों का एक संयुक्त दल प्रत्यक्ष रूप से डीन से भेंट करने पहुंचा, दल का नेतृत्व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. केएल आजाद एवं डॉ. प्रशांत ने किया। इस संबंध में छात्र संगठनों ने कहा कि यदि छात्रों की इन न्यायोचित मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो इंटर्न्स अपने कार्यों का बहिष्कार करने एवं हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे।

प्रशासनिक एक्शन लेंगे

प्रतिनिधिमंडल ने स्टाइपेंड बढ़ोतरी हेतु तैयार विस्तृत पत्र डीन के समक्ष प्रस्तुत किया। डीन ने छात्रों की वित्तीय व्यथा को बेहद गंभीरता और सहानुभूतिपूर्वक सुना तथा पत्र को ससम्मान स्वीकार किया। मुलाकात के दौरान डीन ने छात्रों को स्पष्ट रूप से आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इस गंभीर विषय पर आगे आवश्यक प्रशासनिक एक्शन जरूर लेंगे।

इंटर्न्स की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान

संगठनों ने बताया कि शासकीय अस्पतालों की संपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में जूनियर डॉक्टरों और इंटर्न्स की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान होती है। दिन-रात मरीजों की सेवा में समर्पित रहने वाले इन युवा डॉक्टरों को एक सम्मानजनक और न्यायसंगत स्टाइपेंड प्राप्त होना उनका विधिक और नैतिक अधिकार है। अब यह पूर्णतः राज्य सरकार के विवेक पर निर्भर है कि वह इन भावी चिकित्सकों की इस न्यायोचित मांग पर कितनी शीघ्र से ठोस नीतिगत कदम उठाती है। छात्र समुदाय शासन से इस पर त्वरित और प्रभावी निर्णय की अपेक्षा रखता है।

जवान सुरक्षा प्रहरी होने के साथ पर्यावरण के भी संरक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 212 बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय एटापक्का में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कमाण्डेंट दीपक कुमार श्रीवास्तव ने विश्व पर्यावरण दिवस का शुभारंभ करते हुए कहा कि सीआरपीएफ का प्रत्येक जवान देश की आंतरिक सुरक्षा का प्रहरी होने के साथ-साथ पर्यावरण का भी संरक्षक है। जलवायु परिवर्तन एवं भूमि क्षरण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए हमे वृक्षारोपण को एक जनआंदोलन बनाना होगा तथा जलवायु परिवर्तन एवं भूमि क्षरण जैसी चुनौतियों से निपटना होगा और आने वाली पीढियों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित एवं टिकाउ पर्यावरण सुनिश्चित करना होगा।

इस अवसर पर डॉ सुमित सहगल सीएमओ कमाण्डेन्ट चिकित्सा, दिनेश कुमार द्वितीय कमान अधिकारी, गौरव शर्मा उप कमाण्डेन्ट व राकेश लाम्बा सहायक कमाण्डेंट तथा अधीनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित रहें। इस अभियान के अंतर्गत अधिकारियों व जवानों द्वारा 150 छायादार एवं फलदार पौधे नीम, पीपल, आम, अमरूद आदि का रोपण किया गया। लगाए गए सभी पौधों की सुरक्षा एवं देखरेख की जिमेदारी भी संबंधित कार्मिकों को सौपी गई।

इस अवसर पर कमाण्डेंट दीपक कुमार श्रीवास्तव ने आम जनों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के इस महायज्ञ में सहभागी बनें तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर धरती को हरा-भरा बनाने में योगदान दें।

डिप्टी सीएम का आत्मीय स्वागत...

जगदलपुर। उप मुख्यमंत्री अरूण साव का शनिवार को शहर के प्रवास द्वार महाराणा प्रताप चौक लालबाग में आत्मीय स्वागत किया गया। भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से लाद दिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पांडेय, महापौर संजय पांडेय , निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, पार्षद योगेंद्र पांडेय, निर्मल पाणीग्राही, पारूल बोथरा समेत बड़ी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ स्वच्छता व पौधारोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राइज अगेंस्ट हंगर इंडिया के द्वारा ग्राम पंचायत चिकपाल के मूंगा स्कूलपारा, ग्राम पंचायत गुड़से, बस्तर ब्लॉक अंतर्गत बड़े काकलुर एवं कापानार सहित विभिन्न गांवों में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक स्थलों, गलियों तथा जल जमाव वाले क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।

ग्रामीणों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने, कचरे के उचित प्रबंधन तथा गांव को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा करते हुए वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं जल के समुचित उपयोग की जानकारी दी गई। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। प्रतिभागियों ने पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ एवं प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने के संबंध में जागरूकता संदेश दिए गए। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता बनाए रखने तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाने की शपथ ली। इस अवसर पर राइज अगेंस्ट हंगर इंडिया के जिला कार्यक्रम प्रबंधक भूषण कुमार, ग्राम प्रोजेक्ट मैनेजर ताराचन्द साह, ग्राम साथी मानकों कवासी सरिता सीटिया, अरुण कवासी, अल्पता, देवेंद्र, सानुराम, ज्योति एवं अमित कुमार नाग, उपसरपंच राजू मड़काम, देवा, हाड़मा राजू तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।

रिजर्व में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण...

जगदलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व में 'एक पेड़ मां के नाम जैसी गतिविधियां और वन्यजीव अपराध नियंत्रण पर कार्यशाला का आयोजन सीसीएफ (डब्ल्यूएल) जगदलपुर और इंद्रावती टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर के मार्गदर्शन में पंचायती राज संस्था के प्रतिनिधियों सहित किया गया। इस अवसर पर इन्द्रावती टायगर रिजर्व जगदलपुर (वन्यजीवन) के क्षेत्रीय निदेशक एवं मुख्य वन संरक्षक स्टायलो मण्डावी, आइटीआर बीजापुर के निदेशक संदीप बलगा, एसडीओ, रेंजर सहित कर्मचारी शामिल रहे।

नगर पंचायत बारसूर में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर पंचायत बारसूर के गौठान में पौधरोपण किया गया। जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक, निकाय के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्वच्छता दीदीयां उपस्थित थे। इस विशेष अभियान के तहत बताया गया कि राज्य के समस्त नगरीय निकायों में 1 अप्रैल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम लागू है निकाय क्षेत्र के रहवासियों में स्त्रोत पृथक्कीकरण हेतु प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। जिसमें नगर के अध्यक्ष, संबंधित वार्ड पार्षद एवं नगर पंचायत के अधिकारी, कर्मचारी, वार्ड नोडल, स्वच्छता दीदीयों द्वारा डोर-टू-डोर जाकर गीला अपशिष्ट जैसे बचे हुआ भोजन, सड़ी-गली सब्जियां, चाय पत्ती, बगीचे का गीला कचरा एवं फल-

सब्जियों के छिलके को हरा डस्टबीन में, सूखा अपशिष्ट जैसे कागज, गत्ता, प्लास्टिक, कपड़ा, रबर, पॉलिथिन, लोहे के डिब्बे आदि को नीला डस्टबीन में, सैनिटरी अपशिष्ट जैसे मास्क, दस्ताने, नेपकिन, डायपर एवं सैनेटरी पेड को लाल डस्टबीन में एवं विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट जैसे कांच, रसायन, पेंट, ई-वेस्ट, बैटरियां एवं सिरिंज को पीला डस्टबीन में विभाजित कर स्वच्छता दीदीयों को देने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

चंदैया मेमोरियल मेथाडिस्ट चर्च में सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

चंदैया मेमोरियल मेथाडिस्ट चर्च जगदलपुर में महिला समिति द्वारा आदर्श घराना सप्ताह कार्यक्रम किया गया, जिसमें अलग-अलग परिवारों में आराधना रखी गई। इसमें विभिन्न वक्ताओं द्वारा बाइबल में महिलाओं के विषय में सिखाया गया। साथ ही शनिवार को एक दिवसीय सेमिनार रखा गया, सेमिनार की शुरूवात रेव्ह ललित मोहनलाल एवं रेव्ह इमानुएल नाग ने मोमबत्ती जलाकर किया, मुख्य वक्ता रेव्ह ललित मोहन लाल थे। आराधना का संचालन एलिन संगीता जैन ने किया आराधना के पश्चात बाइबल प्रश्न उत्तर कार्यक्रम भी रखा गया था, जिनका संचालन संतोषमनी सिंह ने किया। इसी के साथ फैंसी ड्रेस और अंताक्षरी कार्यक्रम भी किया गया।

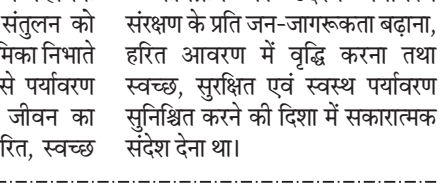

अंतिम आशीष एवं प्रार्थना रेव्ह ललित मोहनलाल ने किया। इस दौरान सूर्या नाग,एलिन संगीता, शाहिदा शर्मा,सूरजमनी सामंत कमलेश सिंह मीना दयाल, रंजना सिंह, मोनिका हारून, हरमानी पतरस, निशा सोमा, शालिनी तेलंग, मायादानी, अचला सिंह, प्रेरणा कुशल, यरूशा सिंह, ज्योत्सना पानी, रेचल दानी जेनी अबिगल भी शामिल रहे। इसकी जानकारी अनिमेष दास द्वारा दी गई।

ग्रामीणों ने सीखी कचरा प्रबंधन की तकनीक, ली हरित शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जगदलपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत बुरुन्दवाड़ा एवं बिलोरी में पर्यावरण चेतना की एक नई अलख जगाई गई। दोनों ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसका मुख्य केंद्र स्वच्छ गांव,

- पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बुरुन्दवाड़ा और बिलोरी पंचायत की अनूठी पहल

सुरक्षित जलवायु अभियान रहा। कार्यक्रम में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने अपने गांवों को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। ग्राम सभा के दौरान स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान के मूल उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए केंद्र सरकार के नवीनतम सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स के प्रावधानों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि पर्यावरण का सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से है इसलिए गांव के हर नागरिक को कचरा प्रबंधन के प्रति गंभीर होना होगा। ग्रामीणों को केवल सैद्धांतिक जानकारी देने के बजाय व्यावहारिक रूप से कचरा प्रबंधन सिखाने के लिए एक विशेष प्रदर्शन भी आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन के माध्यम से कचरों को चार अलग-अलग श्रेणियों गीला कचरा, सूखा कचरा, घरेलू कचरा एवं सैनिटरी कचरा में बांटने और उनके उचित निस्तारण का तरीका सिखाया गया। इसके साथ ही समूचे क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक के पूर्ण रूप से उपयोग नहीं करने की पुरजोर अपील की गई। इस विशेष अवसर पर केवल चर्चा ही नहीं की गई बल्कि धरातल पर भी पर्यावरण सुधार के ठोस कदम उठाए गए। दोनों पंचायतों के विभिन्न सार्वजनिक परिसरों में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया गया।

धरती को हरा-भरा बनाने में देंगे योगदान

कार्यक्रम के समापन पर एक बेहद भावुक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला जब उपस्थित सभी ग्रामीणों, पंच-सरपंचों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने एक साथ हाथ उठाकर स्वच्छता, हरित पर्यावरण एवं जलवायु संरक्षण की सामूहिक शपथ ली। ग्रामीणों ने दृढ़ संकल्प व्यक्त किया कि वे न केवल अपने घर-आंगन को साफ रखेंगे, बल्कि धरती को हरा-भरा बनाने में भी अपना निरंतर योगदान देंगे।

पर्यावरणीय संतुलन में वृक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका : कमाण्डेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व पर्यावरण दिवस पर 80वीं बटालियन सीआरपीएफ ने पर्यावरण संरक्षण, हरित वातावरण के संवर्धन एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कमांडेंट जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुरुषोत्तम कुमार द्वितीय कमान अधिकारी, ओम कुमार गुप्ता सहायक कमाण्डेंट, डॉ एम विनय कुमार एसएमओ, अधिनस्थ अधिकारी एवं जवानों ने भाग लिया तथा पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंतर्गत मसगांव, चांदामेटा, कोलेंग, नेतानार, कोलेंगनाला कैंप एवं बटालियन मुख्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। पौधरोपण के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों एवं जवानों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। कमांडेंट ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, उन्होंने सभी कार्मिकों से पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा हरित, स्वच्छ भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

जन-जागरूकता बढ़ाने की पहल

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, हरित आवरण में वृद्धि करना तथा स्वच्छ, सुरक्षित एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में सकारात्मक संदेश देना था।